नीट का पर्चा लीक करना 'घोर पाप': मोदी

प्रधानमंत्री आवास के निकट कांग्रेस का धरना, 'बलपूर्वक' उठाए गए राहुल, प्रियंका और अन्य नेता

अर्चिस मोहन

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में राष्ट्रीय पात्रता-सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पर्चा लीक पर मचे घमासान और सियासी बवाल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को नीट प्रश्न पत्र लीक को 'घोर पाप' बताया। उन्होंने सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक बैठक में कहा कि इस 'घोर पाप' में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। उन्होंने राजग के सांसदों से लोगों के साथ 'आत्मीयता और स्नेह' से जुड़ने और 'युवाओं का भरोसा' जीतने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत द्वारा हाल ही में किए गए व्यापार समझौतों में किसानों के हितों को प्राथमिकता दी गई है।

इससे पहले सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस ने नीट मामले पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठियां बरसाईं और आंसू गैस के गोले दागे।

राजग सांसदों को प्रधानमंत्री का यह संबोधन सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए 'संसद चलो' मार्च पर पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी घटनाओं के बाद हुआ। कहा जा रहा है कि अपने संबोधन के जरिये प्रधानमंत्री ने प्रश्न पत्र लीक होने पर युवाओं के गुस्से को शांत करने की कोशिश की है और यह संकेत देने की कोशिश की है कि वह पूरे घटनाक्रम से काफी दुखी हैं।

जंतर-मंतर पर विरोध स्थल से पुलिस द्वारा अस्थायी ढांचे हटाए जाने के बावजूद प्रदर्शनकारियों ने जगह की सफाई की और भारी पुलिस मौजूदगी के बीच दिन भर वहां जमा होते रहे। मध्य दिल्ली में सुरक्षा भी बढ़ा दी गई थी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि संगठन ने संसद तक अपना मार्च रद्द कर दिया है। उन्होंने समर्थकों खासकर महिलाओं से माफी मांगी जिनके बारे में उन्होंने आरोप लगाया कि पुरुष पुलिस अधिकारियों ने उनकी पिटाई की थी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने 'अनियंत्रित, आक्रामक और हिंसक व्यवहार दिखाया' और सोमवार को चेतावनी के बावजूद 'लागू निषेधाज्ञा का जानबूझकर उल्लंघन किया'। पुलिस ने आगजनी और हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए चार प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कीं।

सूत्रों के मुताबिक मंगलवार सुबह 8 बजे तक राम मनोहर लोहिया अस्पताल के आपातकालीन विभाग में 186 घायल लोग लाए गए जिनमें से 89 पुलिसकर्मी थे। कुल घायलों में 96 लोग प्लास्टर और टांके जैसे अलग-अलग इलाज के लिए शल्य चिकित्सा विभाग सर्जरी विभाग भेजे गए। वेंटिलेटर पर रखी गई एक महिला को छोड़कर बाकी सभी को छुट्टी दे दी गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कम से कम 60 प्रदर्शनकारी और 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। दीपके ने दावा किया कि 150 प्रदर्शनकारी घायल हुए। नड्डा ने अस्पताल का दौरा किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी वहां पहुंचे। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने कानूनी और स्वास्थ्य मदद सेवा (मेडिकल हेल्पलाइन) शुरू करने की भी घोषणा की।

दोपहर बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा घायलों को देखने अस्पताल गए और उसके बाद कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अपना विरोध और तेज कर दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल और प्रियंका के नेतृत्व में पार्टी के कई नेता, प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग के बाहर धरने पर बैठ गए जिनमें डी. के. शिवकुमार और वी. डी. सतीशन जैसे मुख्यमंत्री भी शामिल थे। उनका आरोप था कि प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया। प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ने का मुद्दा संसद में भी गूंजा। मॉनसून सत्र के दूसरे दिन भी संसद की कार्यवाही बाधित रही। विपक्ष ने सीजेपी के नेतृत्व में हुए मार्च पर हुए लाठीचार्ज का विरोध किया। साथ ही उसने नीट पेपर लीक और अयोध्या के राम मंदिर में दान की कथित चोरी पर भी चर्चा की मांग की।

जंतर-मंतर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सीजेपी के संस्थापक दीपके ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार सीजेपी से बातचीत कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई करा रही है। उन्होंने बताया कि सीजेपी के आशुतोष रांका और सौरभ दास ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा से मुलाकात की थी। दीपके का आरोप है कि दोनों नेताओं के मोबाइल फोन ले लिए गए और उन्हें नड्डा के घर पर एक तरह से नजरबंद रखा गया। उनका कहना था कि सरकार का मकसद आंदोलन के नेताओं को अलग-थलग कर देना था ताकि अव्यवस्था फैलने पर कोई नेतृत्व न कर सके। हालांकि सरकार ने इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया और कहा कि वह सीजेपी से बातचीत के लिए तैयार है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी फिर से धरने पर बैठ गए। उन्होंने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की तस्वीर के साथ संविधान की एक प्रति, रामचरितमानस, चरखा और भगवान बुद्ध की एक छोटी प्रतिमा रखी। दीपके ने बताया कि सोनम वांगचुक पहले अपना अनशन समाप्त करने वाले थे, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई देखने के बाद उन्होंने अनशन जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि वांगचुक की तबीयत गंभीर है। इसी बीच दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आदेश दिया कि वांगचुक को तुरंत गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया जाए। सीजेपी नेताओं ने फिर से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई।

प्रधानमंत्री आवास के बाहर कांग्रेस नेताओं के धरने पर बैठने के लगभग 20 मिनट बाद प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन राहुल गांधी से मिले। उन्होंने राहुल से धरना खत्म करने का अनुरोध किया। जितेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि राहुल संसद में इस मुद्दे पर बहस की अपनी पहले की मांग से पीछे हट गए हैं, जो उनके पद के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने धरना खत्म करने से इनकार कर दिया और इसके बजाय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। जितेंद्र सिंह ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने अब तक नियमों के अनुसार नीट मामले पर संसद में चर्चा कराने के लिए कोई औपचारिक नोटिस नहीं दिया है। उन्होंने कहा, 'सरकार नीट और उससे जुड़े आंदोलन पर संसद में चर्चा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन राहुल गांधी का रवैया लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।'

जितेंद्र सिंह के बयान के कुछ समय बाद पुलिस ने राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को जबरन हटाकर हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी जमीन पर लेट गए और सुरक्षा कर्मियों द्वारा हटाए जाने का विरोध किया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, इस दौरान राहुल गांधी की आंख के नीचे चोट लगी और हाथ-पैरों में भी हल्की चोटें आईं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी को अपने आवास के बाहर धरने पर बैठने की अनुमति इसलिए दी ताकि सीजेपी का आंदोलन कमजोर पड़ जाए।

दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता के उस आरोप को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि 'चलो संसद' मार्च के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन चलाई। पुलिस ने इसे पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया। सीजेपी के सौरभ दास ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें दावा किया गया था कि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन चलाई। वीडियो में अस्पताल में घायल पड़े एक व्यक्ति को दिखाया गया था और कहा गया था कि उसे प्रदर्शन के दौरान पेलेट लगने से चोट आई है।

प्रदर्शनकारियों की ओर से जुड़े वकीलों के अनुसार, हिरासत में लिए गए 38 लोगों को बुराड़ी थाने ले जाया गया और बाद में शाम को छत्रसाल स्टेडियम भेज दिया गया। वकीलों का आरोप है कि उन्हें न तो हिरासत में लिए गए लोगों से मिलने दिया गया और न ही स्टेडियम में पुलिस से बात करने की अनुमति मिली। जिससे पता लगाना मुश्किल हो गया कि उनके खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज हुई है या नहीं, उन्हें गिरफ्तार किया गया है या नहीं, और उन पर कौन-कौन सी धाराएं लगाई गई हैं। **(साथ में एजेंसियां)**

1 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय मंत्रियों के साथ मंगल मिलन बैठक में

2 प्रधानमंत्री आवास के समीप धरने पर बैठे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को बलपूर्वक उठाया गया

3 जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का अनशन जारी है

भारतीय नाविकों की मौत का मामला

रूसी दूतावास के अधिकारी तलब

भारत ने यूक्रेन के तट पर गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत के मामले में मंगलवार को रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी (सीडीए) को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक से कहा कि वाणिज्यिक जहाज पर यह हमला अस्वीकार्य है जिसमें भारतीय नागरिकों की जान चली गई।

यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने कहा कि रूस ने रविवार को यूक्रेन के समुद्री गलियारे से गुजर रहे एक असैन्य जहाज पर हमला किया और इसके चालक दल में सीरिया और भारत के नागरिक शामिल थे। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले 'एमवी गोल्डन लियो' नामक जहाज पर रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस पोत पर चालक दल के कुल 17 सदस्यों में से पांच भारतीय नागरिक थे। भारत ने इस हमले की निंदा करते हुए दोहराया कि वाणिज्यिक पोतों को निशाना बनाना और निर्दोष नागरिक चालक दल के सदस्यों की जान जोखिम में डालना 'निंदनीय है और इससे बचा जाना चाहिए।' **भाषा**

सउदी विदेश मंत्री से मिले डोभाल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सऊदी अरब की यात्रा के दौरान विदेश मंत्री शहजादे फैसल बिन फरहान से मुलाकात की और 'ऊर्जा सुरक्षा' को मजबूत करने तथा 'समुद्री मार्गों की सुरक्षा' सहित क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की। डोभाल की यह यात्रा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा हुआ है तथा अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों तथा ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान की आशंकाएं बनी हुई हैं।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय के अनुसार, डोभाल ने सोमवार को रियाद में शहजादे फैसल से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। इस वर्ष डोभाल की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा है।

मंत्रालय ने 'एक्स' पर कहा, 'दोनों पक्षों ने क्षेत्र के ताजा घटनाक्रमों तथा ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों पर भी चर्चा की।' बैठक में सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप विदेश मंत्री सऊद अल-साती भी मौजूद थे। **भाषा**

यूएई को उड़ान रोकने की मांग से होगी उथल-पुथल

सुरजीत दास गुप्ता

एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने ईरान और अमेरिका संघर्ष से उत्पन्न बढ़ते सुरक्षा खतरों के चलते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), खासकर दुबई और अबू धाबी तथा खाड़ी के अन्य प्रभावित क्षेत्रों के लिए उड़ानों को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। एसोसिएशन ने यह मांग नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को लिखे पत्र में की है। अगर इसे लागू किया जाता है तो यह भारत के विमानन क्षेत्र को प्रतिकूल ढंग से प्रभावित कर सकता है। भारतीय विमानन कंपनियां अभी संघर्ष के बाद धीरे-धीरे उबर रही हैं और सामान्य उड़ान संचालन से काफी दूर हैं।इसकी एक स्पष्ट वजह यह है कि भारतीय विमानन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय विमानन कारोबार में यूएई पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

यूएई भारत का सबसे बड़ा विदेशी बाजार है और वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का 26.2 फीसदी इसी क्षेत्र से संबंधित था। और बारीकी से देखें तो भारत और दुबई के बीच कुल 13 फीसदी अंतरराष्ट्रीय आवागमन हुआ, जबकि अबूधाबी बाजार का योगदान 8.3 फीसदी रहा। स्पष्ट है कि ये दोनों इस क्षेत्र के सबसे अहम रूट हैं। बहरहाल इन मार्गों पर करीब आधे यात्री एमिरेट्स (दुबई) और एतिहाद एयरवेज (अबूधाबी) का इस्तेमाल करते हैं तो शेष भारतीय विमानन कंपनियों से आते-जाते हैं। अगर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और बढ़ा तो जोखिम खाड़ी के अन्य बाजारों तक पहुंच सकता है जहां भारत से बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं।

सऊदी अरब भारत के अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात का 6 प्रतिशत, कतर 4.1 प्रतिशत, और ओमान 3.4 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। भारत और यूएई के बीच चल रही 170 से अधिक दैनिक उड़ानें जो 20 भारतीय शहरों को दुबई और 19 को अबू धाबी से जोड़ती हैं, उनको निलंबित करने से भारतीय विमानन कंपनियों को अपने जहाज खड़े करने पड़ेंगे। इन विमानों को अन्य मार्गों पर पुनः तैनात करने की सीमित संभावना होगी। एक प्रमुख विमानन कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी ने कहा, 'हम उस क्षमता स्तर के कहीं पास नहीं हैं जो पिछले वर्ष इसी अवधि में था। हम धीरे-धीरे क्षमता का पुनर्निर्माण कर रहे थे लेकिन यदि उड़ानें फिर से रद्द होती हैं तो यह एक और बड़ा संकट पैदा करेगा। हमें जोखिमों का तार्किक मूल्यांकन करना होगा, जैसे अन्य देश कर रहे हैं, और किसी भी जल्दबाजी में निर्णय से बचना होगा।'

ममता ने कांग्रेस और माकपा को साथ आने का न्योता दिया

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाते हुए उनसे पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी के साथ मिलकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाने की अपील की। ममता ने यह अपील कोलकाता में बिरला तारामंडल के पास तृणमूल के अपने नेतृत्व वाले खेमे की ओर से आयोजित वार्षिक 'शहीद दिवस' रैली के दौरान की।

राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नैशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का हिस्सा होने के बावजूद पश्चिम बंगाल में तृणमूल के कांग्रेस और माकपा के साथ रिश्ते सहज नहीं रहे हैं। तृणमूल सुप्रीमो ने विपक्षी एकता की अपील के बीच बागी नेताओं के लिए अपनी पार्टी के दरवाजे पूरी तरह से बंद कर दिए।

कांग्रेस ने कई वर्षों के बाद मनाया शहीद दिवस

कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई ने मंगलवार को कई वर्षों बाद अपना 'शहीद दिवस' कार्यक्रम आयोजित किया। पार्टी ने पुलिस गोलीबारी में मारे गए युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। **भाषा**

प्रशांत की दावेदारी से मुकाबला हुआ दिलचस्प

मोहम्मद कैफी आलम

अमूमन किसी विधान सभा सीट के लिए उप-चुनाव को सियासी बिसात पर अधिक तूल नहीं दी जाती है। मगर बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उप-चुनाव के मामले में यह बात फिट नहीं बैठती है। वजह यह है कि जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के उम्मीदवार के तौर पर प्रशांत किशोर के इस सीट पर दावेदारी के ऐलान से बांकीपुर उप-चुनाव अहम हो गया है। दतिया (मध्य प्रदेश) और मंजलपुर (गुजरात) में होने वाले उप-चुनावों के साथ ही 30 जुलाई को बिहार के बांकीपुर में भी चुनाव होने वाला है। यह किशोर के राजनीतिक प्रयोग की पहली बड़ी चुनावी परीक्षा है।

वर्ष 2025 के बिहार विधान सभा चुनाव में किशोर की पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। जेएसपी ने 243 में 238 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे मगर एक भी सीट हाथ नहीं लगी। अव्वल 236 सीटों पर उसके उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई। पार्टी को कुल मतदान में 3.3 प्रतिशत मत हासिल हुए थे। अब बांकीपुर उप-चुनाव के जरिये किशोर स्वयं उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतर रहे हैं।

लोकनीति-सीएसडीएस के सह-निदेशक संजय कुमार के मुताबिक प्रशांत किशोर के राजनीतिक भविष्य के लिए बांकीपुर मुकाबले की काफी अहमियत है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर इसका कितना असर होगा यह दूर की बात है।

भाजपा नेता एवं राज्य के पूर्व मंत्री नितिन नवीन के इस्पीफे के बाद बांकीपुर सीट पर उप-चुनाव हो रहा है। नवीन ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद इस सीट से इस्तीफा दे दिया था।

चुनाव प्रचार में पहले ही कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। पहले अभिषेक कुमार सिन्हा इस सीट पर भाजपा के थे मगर कुछ ही दिन बाद पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने नामांकन वापस लिया। इसके बाद भाजपा नीरज कुमार सिन्हा को मैदान में उतार दिया किसी तरह की संगठनात्मक गड़बड़ी की आशंका उस सीट पर पार्टी का खेल न बिगाड़ दे। इस सीट पर भाजपा का दो दशकों से कब्जा रहा है। प्रशांत किशोर ने इस घटनाक्रम का फायदा उठाया और यहां तक दावा कर दिया कि भाजपा के भीतर घबराहट है। हालांकि, सत्ताधारी पार्टी ने यह आरोप नकार दिया है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की तरफ से रेखा कुमारी गुप्ता चुनावी मैदान में हैं।

जेएसपी भी संगठनात्मक मुश्किलों से अछूती नहीं रही है। चुनाव प्रचार के दौरान इसके चार वरिष्ठ नेताओं (जिनमें विधान सभा चुनाव के पूर्व उम्मीदवार के सी सिन्हा, रीतेश रंजन उर्फ बिट्टू सिंह, गोपाल सिंह और किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष ब्रज किशोर सिन्हा शामिल हैं) ने भाजपा का दामन थाम लिया।

बांकीपुर 1995 से ही भाजपा का गढ़ रहा है। उस समय यह सीट पटना पश्चिम के नाम से जानी जाती थी। इस निर्वाचन क्षेत्र में लगभग 3.79 लाख मतदाता हैं जिनमें ऊंची जातियों, खासकर कायस्थ और वैश्य समुदायों का दबदबा है। राजनीतिक अनुमानों के मुताबिक कुल मतदाताओं में कायस्थ लगभग 15 प्रतिशत और वैश्य लगभग 9 प्रतिशत हैं। इसी सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने लगातार कायस्थ उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

किशोर ने नवीन के सीट छोड़ने के मामले को चुनाव प्रचार का मुद्दा बनाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'भाजपा बांकीपुर को अपना गढ़ मानती है। यहां के मतदाताओं ने बार-बार नितिन नवीन पर भरोसा जताया है। मगर नितिन नवीन ने उन्हें भूलने में जरा भी देर नहीं की। संसद में जाने का मौका मिलते ही उन्होंने यह सीट छोड़ दी।'

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Punjab & Sind Bank (A Govt. of India Undertaking)

अंचल: द्वितीय तल, भारतीय स्टेट बैंक के पास, नयापुरा, कोलार रोड, अकबरपुर, मेन कोलार रोड, भोपाल -462042
फोन : 0755-4249988, 4243700, 4203836

QR CODE FOR SERVICE PROVIDER

अचल संपत्ति की बिक्री के लिए ई-नीलामी के लिए सार्वजनिक सूचना दिनांक 07.08.2026 को दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे तक

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2002 (2002 की संख्या 54) के अंतर्गत बैंक को गिरवी रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री। जबकि, पंजाब और सिंध बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुर्ननिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (SARFAESI) अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत जारी नोटिस के अनुसार हमारी शाखा में निम्नलिखित ऋण खातों में निम्नलिखित संपत्ति/संपत्तियों का कब्जा ले लिया है, जिन्हें बैंक के बकाया की वसूली के लिए 'जैसा है, जहां है और जैसा है, के आधार पर' बेचने का अधिकार है। बिक्री https://www.Baanknet.com पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से नीचे हस्ताक्षरकर्ता द्वारा की जाएगी।

अचल संपत्ति का विवरण

क्र. सं.	शाखा / खाते / ऋणी / जमानतदारों के नाम	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि	मांग सूचना दिनांक एवं बकाया राशि (रु.) +भविष्य में देय ब्याज एवं अन्य खर्च
1.	**हमीदिया रोड शाखा, भोपाल** ऋणी- **मेसर्स खिल्ला कोलोनाइजर्स प्रा. लि.** **कार्पोरेट कार्यालय:** 259, उमा भवन, भौंरी जोड़ कैंपियन स्कूल के पास, भौंरी, भोपाल 462030 शाखाः डी जी हाइट प्लॉट संख्या 158, प्रथम तल, जोन-2, एम.पी. नगर, भोपाल **डायरेक्टर एवं जमानतदार :** (1) श्री खिल्लूमल चंदनानी, (2) श्रीमती वर्षा देवी चंदनानी (3) श्री आनंद चंदनानी (4) श्री सनी चंदनानी (5) श्रीमती मुस्कान चंदनानी (6) श्री हरीश चंदनानी	1. भूमि खसरा नंबर 135, ग्राम भौरी पटवारी हल्का नंबर 25/34 आरएनएम 4, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.729 हेक्टेयर। 2. भूमि खसरा नंबर 129/1, 139/3/1क, ग्राम भौरी पटवारी हल्का नंबर 22/34, आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 3. भूमि खसरा नंबर 129/1, 139/3/2 क, ग्राम भौरी, पटवारी हल्का नंबर 25/34, आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 4. भूमि खसरा नंबर 129/1, 139/2/1 क, ग्राम भौरी, पटवारी हल्का नंबर 25/34, आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 5. भूमि खसरा नंबर 131, ग्राम भौरी पटवारी हल्का नंबर 25/34 आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 6. भूमि खसरा नंबर 129/1, 139/3/1 क, ग्राम भौरी, पटवारी हल्का नं. 25/34 आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 7. भूमि खसरा नंबर 131, ग्राम भौरी पटवारी हल्का नंबर 25/34 आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 8. भूमि खसरा नंबर 131, ग्राम भौरी पटवारी हल्का नंबर 25/34 आरएनएम 5, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.206 हेक्टेयर। 9. भूमि खसरा नंबर 129/1/2-घ, 139/3/2/9502/1, 129/3 एवं 139/2 ग्राम भौरी, पटवारी हल्का नं. 25/34 आरएनएम 4, तहसील हुजूर जिला भोपाल, क्षेत्रफल 0.548 हेक्टेयर। कब्जे का प्रकार - सांकेतिक	₹ 2,95,22,000 ₹ 29,52,200 ₹ 2,95,220/-	दिनांक 05.01.2017 ₹ 2,60,95,425.99 दिनांक 01.01.2017 से कानूनी खर्चे एवं अन्य खर्चे Qr Code For Property Image/video Qr Code For Property Location

संपत्ति निरीक्षण दिनांक एवं समय : 05.08.2026 (सुबह 10.00 से दोपहर 3.00 बजे तक)
ईएमडी एवं दस्तावेज जमा करने की दिनांक 06.08.2026 दोपहर 6.00 बजे तक

बोलीदाताओं द्वारा ईएमडी को ई-नीलामी पोर्टल अर्थात www.Baanknet.com/ पर उपलब्ध कराए गए अपने वॉलेट में एनईएफटी के माध्यम से स्थानांतरित किया जाएगा।
खाते का विवरण जिसमें ईएमडी के बाद शेष राशि एनईएफटी के माध्यम से जमा की जानी है: ,खाते का नाम-एनईएफटी पार्किंग खाता; खाता संख्या-80215040070003; आईएफएस कोड- PSIB0008021
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया https://punjabandsindbank.co.in/module/sarfaesi-list & https://www.Baanknet.com देखें
इस नोटिस को नियम 8(6) प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन), नियम 2002 के तहत ऋणियों एवं जमानतदारों (एल/आर) को 15 दिनों की वैधानिक बिक्री नोटिस के रूप में भी माना जाना चाहिए।

प्राधिकृत अधिकारी का नाम एवं सम्पर्क : कवलजीत कौर मोबाइल नं. + 91 9211538449

दिनांक : 22.07.2026 स्थान- भोपाल प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक